

ਅਸਤ੍ਰਿ ਸੁਖ

५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ स्वस्ति नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

उच्चाह्वानः दुर्गादेति नमः मालकैः ध्वजाः सुगन्धिः
सुमार्गसद्वनधकालयलना ॥ ० ॥ यनये वययान
लाय ॥ ० ॥ उन्माद्वर्षादि पविष्ठुद्धया जायः नृथग
नाया हर्कः समक् सं वृद्धायः उन्मादः स्वयं २ विल
धय २ सर्वक मावलनानि विस्वयस्यादा ॥ २ ॥
श्रीपूजादुर्गादेति नमः मालकैः यानः पविष्ठुद्धयानां

ददद को सः वा आ रु या डी वा दः र था ग दः अ ध र स म्य
की वा धि स्तान ना दा डी वा दः थ थि द्वा र था ग दः न म स्त
ल या दा डीः ल ध य या दा डीः स म न नैः द न दाल पा डी
स व स साल स क लः श्व या डीः य र खः का म ना नैः डी न
ध क दार या डीः ल ध य या द नै ॥ ३ ॥ **थ न व ड न का वि**
य ॥ य र ल व स डी नै ॥ स क थ ड ॥ ॥ कृ ण ल श्रु धा मानः

ला व य शा **य थ म न दाय ॥** उ य न्थ र स दाय ल्थ ज य ल म
न य न्थः स्तान स दार य वि नैः उ स व स स्तान य वि श्रु द
ध म्म क र ग न स म्म नै र ल्थ ला व वि श्रु द स दान य वि वा
र स्तान ॥ ० ॥ **दी य र्थीः थ य थ म नः** ला ग या दानः स
नी ल य वि द्वा रु या डीः य ल्थ आ स्तान दाल य लः ग थि उः
य ल्थ ध क थ ल साः य ल्थ या सि नै य ल्थ थ काः ग थ ध क थ

अथ मयः असख्ये न्यथ माने येन थकाः थलिया का
वनेः स्नामि लकिया का उः सदा सर्व का वः यत्रि शुद्धि
इतिः धर्मि अतु वा गी ॥ २ ॥ नमः स्नाल या का वः गगनः
आका सतः शुद्ध इया उः वां स ख दा उ नः शुद्ध उत्रिः
आ स्ना इय मा थकः सवल पि उ ॥ ० ॥ **थन श्री सूर्य देव**
यावः नत विरय के ॥ थन कित न के ॥ ३ नमः श्री सूर्य देवाय

नाग स हो स का सः यद्वा नाग व ज सूर्यः दिवा कर्तु नम
सुत ॥ ० ॥ **थन सगन विरयः याव न याव के ॥ थन मनु**
ल विरय ज न ॥ थन कृत य ना उः सिन्धु ल का य केः हल
ना या केः त्रि त न तिके ॥ थन हल का द न स न याव के ॥
थन पि त य न उः वा आ या सिन्धु व का य केः मृग व न रि
द के ॥ थन सिद्धि उ न या ख र ना ॥

५५

शानमन श्रुया नाम का आवरु सा यः॥ न कति नीमी
हनाथः सक सं न ज्ञा सुदम का थः विद्रा दा थः व्य ना व
नि न पू न थ का हा न पा डीः कं ग्व त मा ल थ स कं ग्व त वा का
व त्रि मा न थ सः वा का व त्रि स्व स्य दि क ३४ क पू न थ ल स्य
नः ७२ सु द म क ल ॥ ॥ २४ थ वी का व त्रि हा ना नः क ग्व ल हा
ना नः क ना पा त म दः वि स्य व म दः का क र थ म न रु या डीः

पू न या ल क न म थ व कः द द थ ल व रु य रु व थ कं हा
र पा वः वे द वि द्रा व क मा ल ल वी वा य का वः अ य क
मा र ल उ य का वः ना लि ७२ व न या ना डीः ना री या
ल क न नः मा य मा ७ वा रु स्व या वः व व विः मा ल
गु लि व व वि या ना वः न क मा ल गु लिः न का व
ल न क मा ल गु लिः ल न का वः पा य मा ल थ स पा

न्याउ ॥ का क उ न्य मूत थर्सः का क न उ स्य ४ वि क न
मान थर्सः वी क न व स्य स उ ॥

॥ नमः ॥ ॥ देव दय कया ग द धि अथ क ला ॥ ॥
ज्ञाया क न यूता मान क था य ना धून का उः कृणया न व लिः
पान ॥ यूता या हा उः थाम सं ग य क ल कृणः य क म ये न धन
या यः श्री सूर्या दः सुदम कृलः गिरमा विः क ल स यूता धून
का उः र मि आ धन या यः जायः धूयः नि ला ऊनः मगः रुः
गान का य स धा ना न्ध य न य् का धून का उः कि न नः सु द य्

दक्रिनाः पिसु कनं॥ ॥ ॥ हाग रुता॥ ॥

मनुष्या का धनं दयका किमिः खत्रक संगार्यः कउ करउ
पगायः उयुद्रकः नाय इयुः सि कदायुः कुक यन ययुख॥ ॥ ॥
वाप्तिश नसः म धवा ना रस धन का या उः खडा नानेः कु
इजानः हाग गा कः उः कु सः कउ कर व दयु उः दिन य निवु॥
॥ ॥ इध नयः म स खाया विः म ना वा सः य सः थ हा व धुः

या हा उः म म या खी न वा ना उ थ रु क थ ठ ना क नः थ रु का
स स इ हा न हा उः कु उ न म वा सः अ र न न रु य उ ख ॥ ॥ ॥



याः हि न द्या ता उः वा द्वा सः किं उ म अ स वा द्वा न याः द्वा उ नः
थ द्वा द्वा उः द्वा न म वा स वा नि ॥ ॥ ज्ञा न वि या र्वा
द्वा उः सु ति द्याः सु र्वा निः च सु या द्वा उ र्वा नः वा द्वा सः द्वा
उ उ स वा द्वा स वा द्वा नः द्वा थ द्वा नः द्वा न म वा सः नः
म न द्वा उः नि र्वा नः द्वा स नि स वा न ॥ ॥ ज्ञा उ द्वा द्वा ध्व
पु या ग वा द्वाः म वा द्वा य वा पु या ग वा नः वा य सः थ उ र्वा म
वा ल कः म वा य ग पु य ल कः थ उ द्वा स वा ल सः सा द्वा न न

म लः मा न स ॥ ॥ उ य रि वा या उ द्वा ग वाः का ग र
लि सः उ र्वा नि याः द्वा ग न नः म्वा ना ना म द्वाः उ म्
की स वे मा न य उः थ र्वा वा नः थ मि सा थ व व स र
ल स ॥ १ ॥ ज्ञा द्वा द्वा य वा ग न र्वाः मि सा व ग म र
का लः थ का ग र लि स वा या ना मः उ डि म स य द्वा
न स न न ना व स र य ॥ १ ॥ वा म व द्वा म वा या

लातःलासुवनःहृगनाजयादाःसमलागःपृष्ठा
नक्रुक्रुक्रुःकृमातीमसमाननेयकमावःचन
नगस्यकास्यःगिरुवनसचाकावैःयस्यायाति
नैश्व॥१॥फ्रीतीयनूयनाःवसुशुतीयाकाश्व॥
गववनःमनसिनःपाठकःकृमम
थनकक्रुवःमसमानःनेयकावःचनननस्यःकै

सुगवजीसनःपृष्ठःफ्रीःवाजाःमाहवयःथववस
यायजीवश्व॥विषसंवात्रमदागैश्व॥३॥काया
हीयुतिःलावीवनःथनेनाःकृमलमसमानः
नेयकावःवहिनीदयकनःथवीवावःखववाया
शाननःचनननस्यकासनःफ्रीःपृष्ठःवाजाज्जी
दिनमाहवयःथववसयायश्वी॥४॥न्यसस्यथ

गमनवनः मयूत्रमिखाः मादुनः मनमित्रः चण
नवननसंनस्यकस्यनः सर्वनाकर्यः मादुनयः थ
ववसयाय ॥ ८ ॥ वनरुतिः शीमनाजः सरुदवीः गो
यज्जरादिनकाः चणगमनवनवक्रासुनयाः नखन
युष्यनरुगुक्कः कुमलमसमावननचकनायः थच
नननस्यचकनः स्वावसाकाभिसाधर्मः थववसयाय ॥ ९ ॥

थवमासीकशुवहीवः गमनवनः वावावः भिसाधर्म
नः नस्यचकनः भिसानखकाः पुत्रस्वयः मादुन
यः वसयाय रुगश्व ॥ १० ॥ द्वादकनवीनस्यनः नकाः
कटः किशियामदजलः दोधलः गायकायदूः गायली
मनाजकाः चणगाकववदभकूकयाः युष्यनरुगुः
कूकयाः स्वादूलीस्वननशावः वहिनिदयकगाव

शुद्धागालयेश्वरसुताः धनचननकसुनः व्यसन
सुनकागकासिधयः यमकाधायकाः डीयमानः स
मस्तुताकः यवशायरु ॥ ८ ॥ यमकासुनसुतः यव
वीजः दोखाः खावीः क्रसयुजः यमनकदनेः नसाव
स्तुः लसावस्तुः रुदत्रपः नकः गानकः यववसयाव
नः यमकाकाकाः डीयाचकः मिसाथरुतः चित्तविनि

यमकावरे ॥ ९ ॥ प्रकाः किसियामदजलनवासावः
कस्तुभययाभाउसुपूटयाकयाकावः चरुयाकाव
यनमिरवासः अजजनः मीनाः पुत्रयनाः भारुन
यववेसयायकीवरे ॥ १० ॥ मनभाजनकाकजनः
पियुतः रमतावनः यमकाजजनवाजनः मीदक
भादुरयः गजाभादुरय ॥ ११ ॥ वैहृष्टावेला

सौवीना ॐ नः यत्नः कथयः श्रावणः लभनीचनः प
नकः प्रियं उः थनं समस्तानां नः मिखास वीचन
जासनः स्वकायः थववमरुतं ॥ १२ ॥ अरुणादीन
काया उ सः चिन्तावः रुमाव चिन्तावः गनकावः क्राद
नालागिन चिन्तावः काया उ नः सौवीना ॐ नः रमल
रुक्मयादः इथद शिवा नदयकः अरुणादा कवीनाव

कावमरु सरुयाः अरुन वीचनः श्रीदाकाः यत्रयः
दाकाः थववमरुतं ॥ १३ ॥ कायलयाता दृश्यं लख
नं दृष्टुं मित्रानः चतुर्विंशत्यं ॥ अथ हिन्दुमिन् ॥
राजः मरुतक कितव ॥ ॥



नो ननना कोविश्व नः यदुःखं वृ
 ३३ तं ६३ तानय सनवृद्धो ६३ नाक
 स ६३ तं ६३ तानय सनवृद्धो ६३ नाक
 पा ६३ तं ६३ तानय सनवृद्धो ६३ नाक
 ६३ तं ६३ तानय सनवृद्धो ६३ नाक
 न सथं सनवृद्धो ६३ नाक

[illegible]

नैः स्वामि वां देवा द सं सं मुं व्यंतां ॥ सं मुं वां चि वं
 दं लो न सं ॥ सि सि वा वं कु तां भा ग ॥ सि मि पुं ता ग नं
 वं क ॥ स्व सि ता तां दा वी ॥ स्व सि व्य दि नं थि तं ॥ सर्वं क म्
 सि वा लो न भा र्ग वि वा प भा ग न ॥ स्व पा नो ॥ स ए ता व
 कं य ना ॥ सर्व वं सु र्वा मि क्षा ता ॥ सर्व ह र नि ना ॥ न या सर्व
 ह र नि प्र ग्ग ह र भा र्ग वि वा प भा ग म ह ॥ यानि ह र ता नि स मा ग

तानि चि नानि ह मा वथ वा कनि वं कु वत् मंति स गतं यत्ता सु दि वा
र ना तो रु ठं वं र थ म ॥ ॐ न्म ग प दि वं दा व्य वि ष म हा गी य ह ना न्दा
न व तं । सा स्मि धा ति कु न्म स्वा हा ॐ हा न २ ल्य स्वा हा ॥ स व नं र व
न हा न् । ग म ना ता ॐ ॥ ॐ व र वं दा ना न्म ४ ३ । ध्या न तं रु सा नि ता गी म
ध यं का न र व म्म मा न वं ; त द्वा य नि ता ना गि म ध र का ना ह्वा था व
र्त्त म व म्म । व र्त्त ६ ६ : वा म द न्द कं मं द र ध न यि ता र्त्त ना र्त्त न नं

ये हा व वि ति नं ; ति नं द न्ता म कु न्म वि नं ; व द स त्या
न कु नं ; स म या वि वि ता र्त्त ॥ ॐ य ही म हा द न्द ५
वि वि उ र स फ म गृ ही स्वा र्त्त ति म हा र सि नि ति ता
ह्वा उ र स्वा हा ॥ ॐ ति ग्वा ना गि मा वा द ॥ ॐ ५ ४ ॥
तं कि ता ज म्म ॥ नि ता ज न्म ॥ ॐ या र्त्त नं व ति न्म
स्वा हा ॥ न श्व न हा य ॥ ॐ स र्व या व ज्ञा न २ ह्वा हा ॥

वतयति॥ ॐ सर्व वापः^{वि}धिमात्रा न वृत्तीकृतः
स्वाहाः ॐ कायकाः ॐ सर्वावनमत्रानयनग्रहः ॥ श्री
त्रैलोक्यमित्रा ॥ ॐ ऐं ह्रीं क्लीं दाव रि ह्रीं नाह नि रुरव न ह
दृढ ॥ कुरु मित्रे श्रानति संगवग्म भ ॥ कन सहिषक ॥ ॐ जगय
दि वदी व विव न ता गि य ह व कृ य काह ना य इ ग्य न ह व ह स

मयसमिति ॥ ॐ वृत्त नृत्त श्र ॥ ॐ ह्य न न स मन्म पृ व मयत
नृत्त दा यानि स्वध नै नै थ श्र ताः नाम प न प नः ॐ श्री क न म
डा नः ॥ प्र ता द स ग मा व नृ प नि ह गृ नानि क र्म नि ॥ ॐ सर्वत
भ गत का या वि स्व ध न स्वा हा ॥ कन स न ख नः पं श मृ त न हा
य ॥ स्वा न वा य ॥ ॐ पूजाः नाः ॥ ॐ धृ त नृ म ॥ ॐ वृत्त
स स्वा श्र ॥ ॐ श्री स्वा हा ॥ धृ त श्रि य न ॥ ॐ म न न म

स्वातयावक ॥ तता ६ जिमूषनूका जनय ऊरुत
युमानं शुकवती विलया ॥ तच्छाचु म्वन धूनादयः
ॐ मनस्यसाहा ॥ धृत ॥ ॐ श्रवतिह नवजा यसाहा
कृष्ट ॥ ॐ कायसाहा ॥ श्रकासि ॥ ॐ वज्रश्रमायसाहा
प्रज्ञावसि ॥ ॐ वज्रगमजायसाहा ॥ वदिनसि ॥ ॐ
वज्रवधायसाहा ॥ श्रयामागसि ॥ ॐ वज्रकुर्वना

यसाहा ॥ उत्रगतसि ॥ ॐ वज्रययाससाहा
॥ उद्वनसी ॥ ॐ वदस निनयिसाहा ॥ स
मिकेयसि ॥ ॐ वाचिविज्ञायसाहा ॥ विनजसा
॥ ॐ वदनायसाहा ॥ यिनायसि ॥ ॐ वदविदा
यसाहा ॥ यद्वनदमि ॥ ॐ मवनेसाहा ॥

[illegible]

नमो वायसना ॥ नमो ॥ ॐ महावताय स्वाहा ॥
 मास ॥ ॐ महावताय स्वाहा ॥ मात ॥ ॐ वज्रत्राय
 स्वाहा ॥ ताया ॥ ॐ सर्वाय सिषिय स्वाहा ॥ ॐ का ॥ वका
 ॐ श ॥ नं स्वाहा ॥ द ति ॥ यमा ॥ भ्रक ॥ ॐ वज्रकुमात्राय
 स्वाहा ॥ कयग्र ॥ ॐ केरुकोमाय स्वाहा ॥ कयते ॥ ॐ सर्व

संयुक्तसाहा ॥ इदः जाः धात्रिजा ॥ ॐ वजनय तमायायः
साहा ॥ वियग्रः कृष्णम ॥ ॐ श्रीः दसनरः ॥ नाय साहा
कोनसि ॥ ॐ सर्व ना गद्य समनाय साहा ॥ इत्यस्मी
विस्तोद यः मूनमं तनेः पंरुयुज्ञानवृक्षाः नात
॥ सुनापातसंनख तसं अमिं गीसा माविय ॥ ॐ ॥
वकसेव श्रीः ॐ ॐ ती अजीसिमा ॥ यथ माहं ति

॥ ॐ स्वस्ति वाकं ॥ ॐ यथ माहं ति य साहा ॥ वृक्षा ॥
ती ॥ ॐ ॐ ॐ ति ग्या नाहं तीका मयत ॥ पूर्वव्यति
माहि देव रं ॥ सखनवने हि ॥ त ताव क्ता ल्पमनादी
ककुत्साः लोका तेन ग्या नागि वितावः शानाका ना ल्पय
श्री ल्प दे दि क मनूना सना पनीः भदना विपताः वाक्
निषनः यिन् विद प्रति ना भनः भद ना वि प्रति

समादययाहवः ॥ गणनसखवदकसादिलीनाकुबप
व नवसासनावः ॥ गणनसखसमयसखया ॥ त्विननिन
मिवसमनुसखनसाहकिहत्तवीला ॥ कृत्य अतिविश्व
पावनादयाद्यायमनादिकः ॥ ययसाः ॥ पूययन्त
हयति ॥ ॥ अकखनः ॥ पाषायाविश्वसातावद्व ॥ नाः
तत्तः ॥ खदडातायामुषहकातनसकवकयहनुव

नविलाव ॥ अयमेनयतायुसासापशामतयरुगाहन
साप्र ॥ ॥ विसादय ॥ ययदान ॥ अहंतिवायगाधर

॥ ॐ ॥ सिवाके ॥ ॐ ॥ अगयदिपादिपमासागियेह
येकेषावाहनाये ॥ दावयतसाकायाकि केवह स्वासा
॥ ॐ ॥ ह्यनाहंतिपुनय ॥ सासा ॥ ॥ युदः ॥ ना ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ति
ह्यनाहंतिः ॥ य नमानसाका केमयाय ॥ देवपुद्व ॥

द्वयं तं ह्येति युक्ता नान्यथा न मानसा दीप्तवन्ति य ॥ ॥ २ ॥

ननु नाद्वयकः युनायाय ॥ ॐ नमः ॥ समाप्तिवि ॥

नैः साक्षात् देविना ॥ ॐ गगनं विना किं दानादाय
ये नैव तं सातो पात्रिकं स्वात्मानं ॥ आननयकः ॥ ॐ वद
पास साक्षात् स्वात्मानं ॥ दत्तप्रकाशः ॥ ॐ शिवदेव्ययुनाय स्वात्मानं

अयः गगनं ॥ ॐ सुवृषसूक्तं वरदा लनि ययुक्ति
कुरु स्वात्मानं ययः साः इदं न साः दास्य स्वात्मानं ॥ ॐ अमर्त्य

अमर्त्योक्तः यं दत्तं सर्वविद्या लो प्रसादिकं कुरु स्वात्मानं ॥ ॐ
यदं गति ॥ ॐ शिवदेव्ययुनाय स्वात्मानं ॥ ॐ वद सां के हि स्वात्मानं ॥ ॐ न
॥ ॐ श्री साक्षात् के ययः सकीः ॥ ॐ वद वि
तमा ये स्वात्मानं ॥ मिथि यय ॥ ॐ सर्वैरुवाकं स्वात्मानं

॥ क० सू० म॥ ॐ सर्वं नागवक्षसमनाय स्वाहा ॥ कुण्ड
वर्ति ॥ १॥ वक्षसि त्का नाय स्वाहा ॥ २॥ वक्षसि त्का नाय स्वाहा ॥
ॐ वक्षसि त्का नाय स्वाहा ॥ ३॥ वक्षसि त्का नाय स्वाहा ॥ ४॥
स्वाहा ॥ ५॥ वक्षसि त्का नाय स्वाहा ॥ ६॥ वक्षसि त्का नाय स्वाहा ॥
स्वाहा ॥ ७॥ वक्षसि त्का नाय स्वाहा ॥ ८॥ वक्षसि त्का नाय स्वाहा ॥
स्वाहा ॥ ९॥ वक्षसि त्का नाय स्वाहा ॥ १०॥ वक्षसि त्का नाय स्वाहा ॥

॥ ११॥ वक्षसि त्का नाय स्वाहा ॥ १२॥ वक्षसि त्का नाय स्वाहा ॥
॥ १३॥ वक्षसि त्का नाय स्वाहा ॥ १४॥ वक्षसि त्का नाय स्वाहा ॥
॥ १५॥ वक्षसि त्का नाय स्वाहा ॥ १६॥ वक्षसि त्का नाय स्वाहा ॥
॥ १७॥ वक्षसि त्का नाय स्वाहा ॥ १८॥ वक्षसि त्का नाय स्वाहा ॥
॥ १९॥ वक्षसि त्का नाय स्वाहा ॥ २०॥ वक्षसि त्का नाय स्वाहा ॥

कृष्णः ॐ मं ५१ सबदधानस्वाहा ॥ कयूतः ॐ वज्रा
वह्नि स्वाहा ॥ नकुतः ॐ त्रयं २१ स्वाहा ॥ १११ ॥
ॐ नितनं पद स्वाहा ॥ नमो भगवते ॥ ॐ सर्वं मन पद
नद ॥ स्वाहा ॥ नस्वाहा ॥ ॐ सुमय सर्व आवय स्वाहा
ॐ नितनं ॥ ॐ सर्वं संशा अगसा अययलिक त्रस्वाहा ॥ गीतरी ॥ ॐ कनीयना सर्व
सिधिकुतः ॥ ॐ नकुती कदा ॥ ॥ धनमानसा सिखा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ अहं हि परमो धर्मो मयि निवसतः ॥ १ ॥

मं तं गंगा गंगाः वृक्षः वृक्षं सद्यः ॥ गंगा अरुनक ॥
सा सन गंगाः प्रगता अत्र तं नामि त्रता अद्य नमः गंगा
थीः सुत वता था वृक्षा को न नाथः ॥ गंगा सूत्र य अद्य नमः
पता सन निमो वृत्ति अद्य नमः ॥ गंगा द पमता प्रनमः
मृ व य मिनि ॥ अरु गंगा वृक्ष वृषदिः पना विदः

वर्मकाः ॥ मरुता लब्धे मनो वाङ्मा सर्वसिद्धि
स्वात् ॥ निनादनः मतदनाः लायः क्रायः धूपध्यानः
यैनाकेनयायस्वानेवायः पुद्गाः नास्याः पुद्गा ॥ मदन
यिन ॥ शुकनताय ॥ पुद्गा ॥ कृतेमका ॥ अद्वयतय
स्वानतप्रमानम् ॥ ॐ शक्तिवाकसीदेव्य ॥ शैवमा

वा प्राय ॥ ५१ ॥ ॐ नमो देव सख्य ॥ ५२ ॥ सया नया य
मः ॥ ॐ वक्रा यनिर्ह समावृत्ताः कनकपुष्पि सु सु लता
॥ ॐ नमो देविः वक्रा येनि नममः ॥ ॐ मे हं ॥ ॐ नमो
॥ ॐ वक्रा यनिः सुख वक्र सु सु हितो सु न च नं देवि ।।
मा हं ॥ ॐ निनममः न स्वाहा ॥ ॐ कामा नाम यत्रा वृत्ता
॥ नकुर्वन् सु सु हितोः सकिर्ह न च न देविः कामा विपनः

मन्त्र न स्वाहा ॥ ॐ विष्णु विगत्र दावृत्ताः क्षीर वदु सु
सु हितोः सुख वक्र च न देविः विष्णु दा यन मन्त्र स्वाहा ॥
ॐ वक्रा हिमहि वक्रा वक्र कर्ण सु स्वाहा नमः दमा ना च न देवि
ः वा नाहा ॥ यन मन्त्र न स्वाहा ॥ ॐ वक्रा यनि ॥ क क म व न सु
सु लता वक्र हं न च न देविः वक्रा येनि यन मन्त्र स्वाहा ॥ ॐ राम

मार्गद्वय

